प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने संभाला हकेंविवि के कुलपति का पदभार

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि) के कुलपति के रूप में प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने अपना पदभार ग्रहण किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कुलपति का दायित्व निवर्तमान कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ से विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. जेपी भूकर व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रहण किया।

नियुक्ति पत्र के अनुसार प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार को पदभार ग्रहण करने की तारीख से पांच साल के लिए नियुक्त किया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में उप कुलपति के पद पर वर्ष 2015 से सेवारत थे।

प्रोफेसर कुमार ने भौतिकी में अपनी उच्च शिक्षा कुरुक्षेत्र और पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ से पूर्ण की है। उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में 25 वर्षों तक कार्य करने का अनुभव है और उन्होंने शैक्षिक, प्रशासन और प्रबंधन के क्षेत्र में 15 वर्ष तक अपना उल्लेखनीय योगदान दिया है।

प्रोफेसर कुमार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक परिषदों के सदस्य हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के लिए कई शोध

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत करते निवर्तमान कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। संवाद

परियोजनाओं का कुशल निष्पादन किया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात विश्वविद्यालय की प्रगति और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य करने का संकल्प लिया और कहा कि वह विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के साथ मिलकर विकास की इस यात्रा को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करेंगे।

विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाताओं, कुलसचिव डॉ. जे.पी. भूकर, अधिकारियों, कर्मचारियों सहित प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा की उपस्थिति में स्थानीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने नव नियुक्त कुलपति का पुष्प गुच्छ प्रदान करके स्वागत किया। इस अवसर पर निवर्तमान कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ भी उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास संवर्धन कार्यक्रम

तनाव से बचने के लिए खुद को सक्रिय और व्यस्त रखें

शिक्षकों को तनाव, उसके प्रकार कारण और उससे निपटने के उपायों के विषय में जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित वेबिनार को संबोधित करते विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, एआईसीटी के सहयोग से प्रोजेक्ट मैनेजमेंट इन कंस्ट्रक्शन इंडस्टीज विषय पर आयोजित पांच दिवसीय संकाय विकास संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को तनाव प्रबंधन पर केंद्रित वेबिनार का आयोजन किया गया। इस आयोजन के अंतर्गत विशेषज्ञ वक्ता के रूप में एनआईटीए कुरुक्षेत्र के पूर्व प्रो. डा. पीजे फिलिप ने प्रतिभागी शिक्षकों को तनाव, उसके प्रकार कारण और उससे निपटने के उपायों के विषय में जानकारी दी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने संदेश के माध्यम से इस विषय को शिक्षकों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। अपने संदेश में विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय कोरोना काल में विकसित हुए तनाव को आरंभ से ही समझ रहा है और इससे निपटने के लिए विशेष रूप से हेल्पलाइन सेवा चलाई जा रही है। कोरोना से जंग, मनोविज्ञान के संग नामक इस प्रयास के माध्यम से विश्वविद्यालय निरंतर विद्यार्थियों, शिक्षकों व अन्य सहभागियों के मन में उपजने वाले तनाव से निपटने में मदद कर रहा है। संकाय विकास संवर्धन कार्यक्रम के तीसरे दिन के अंतिम सत्र में आयोजित इस वेबिनार का आरंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ।

विशेषज्ञ वक्ता डा. पीजे फिलिप ने बताया कि किस तरह से तनाव आम और खास सभी के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। उन्होंने कोरोना काल में बदले हालातों में इसके प्रभाव में हुए इजाफे और उससे प्रभावित हो रहे लोगों के संदर्भ में विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। अपने संबोधन में डा. फिलिप ने तनाव के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष उसके कारण और उससे बचाव के उपायों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तनाव से बचने के लिए नकारात्मक खबरों से दूर रहें, खुद को सक्रिय व व्यस्त रखें, शारीरिक गतिविधियां जारी रखें, ध्यान व योग का सहारा लें, काम के दौरान व्यक्तिगत जीवन को भी महत्त्व दें तथा दूसरों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहें।

19 विवि ने एनटीए से की संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजन की मांग

सीमा शर्मा

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों (विवि) में स्नातक में दाखिले के लिए केंद्रीय विवि संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) न कराने की घोषणा की है, लेकिन देश के 19 विवि आगामी सत्र में दाखिले सीयूसीईटी से ही करना चाहते हैं। इन सभी ने मिलकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को सीयूसीईटी-2021 के आयोजन के लिए पत्र लिखा है।

इनका कहना है कि एनटीए स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी व रिसर्च प्रोग्राम में दाखिले की परीक्षा आयोजित करे, हालांकि अब एनटीए को फैसला लेना है। इसके आधार पर ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की खिड़की अगले हफ्ते तक खुल जाएगी। दाखिला प्रवेश परीक्षा सितंबर में आयोजित कराने की तैयारी है।

सरकार के एक वरिष्ठ अधकिारी के मुताबिक, कोरोना महामारी के चलते 2021-22 सत्र के तहत केंद्रीय विवि में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित कराने पर सहमति नहीं बन पाई थी। इसी कारण यूजीसी ने 2022 सत्र में सीयूईटी कराने की घोषणा की है।

इनमें 14 केंद्रीय, यूजीसी ने की थी आयोजित नहीं कराने की घोषणा

फैसले में ये विवि हैं शामिल

दक्षिण बिहार केंद्रीय विवि, झारखंड केंद्रीय विवि, हरियाणा केंद्रीय विवि, जम्मू केंद्रीय विवि, कर्नाटक केंद्रीय विवि, कश्मीर केंद्रीय विवि, केरल केंद्रीय विवि, पंजाब केंद्रीय विवि, राजस्थान केंद्रीय विवि, तमिलनाडु केंद्रीय विवि, आंध्र प्रदेश केंद्रीय विवि, असम विवि सिलचर, ओडिशा केंद्रीय विवि, गुजरात केंद्रीय विवि शामिल हैं। राज्य स्तरीय बाबा गुलाम शाह बादशाह विवि रजौरी, कोझिकोड विवि बेरहामपुर बंगलूरू, डॉ. बीआर आंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स विवि, सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस, सिक्योरिटी एंड क्रिमिनल जस्टिस जोधपुर के नाम शामिल हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए दर्शायी गयी तिथि में सील की गई खुली

'टंकेश्वर कुमार बने हकेंवि के कुलपति' '

महेंद्रगढ़, 27 जुलाई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ ने प्रो. टंकेश्वर कुमार को हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का कुलपति बनाए जाने के प्रति शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने एक बेहद सुयोग्य और कर्त्तव्यनिष्ठ कुलपति को इस विश्वविद्यालय को गढ़ने का दायित्व दिया है।

ज्ञातव्य हो कि यह पद गत डेढ़ वर्ष से यह रिक्त था और इस पद पर प्रो. आर.सी. कुहाड़ अपना कार्यकाल पूर्ण होने के पर्यन्त, मंत्रालय के आदेश पर विस्तारित कार्यकाल का अनुपालन कर रहे थे। प्रो. टंकेश्वर कुमार इस विश्वविद्यालय की आशाओं के कुलपति हैं, जिनके पास अकादमिक और प्रशासनिक अनुभव का विपुल भंडार है। प्रो. कुमार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक परिषदों के सदस्य हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के लिए कई शोध परियोजनाओं का कुशल निष्पादन किया है।

संघ ने बताया कि उनकी नियुक्ति से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों और छात्रों के मध्य उल्लास का वातावरण है और उन्हें विश्वास है कि प्रो. कुमार के नेतृत्व में उनके हितों की रक्षा बिना किसी भेदभाव के होगी। उनकी नियुक्ति की निकटवर्ती जाट-पाली ग्राम के निवासियों ने भी सराहना की है।

तकनीकी विश्व में व्याप्त विषमताओं को कम करने में सहायक प्रो. अनिल

■ हकेवि में ऑनलाइन संकाय विकास संवर्धन कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की ओर से पांच दिवसीय संकाय विकास संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद आईसीटीई के द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद के अध्यक्ष प्रो. अनिल डी सहस्त्रबुद्धे के संबोधन के साथ हुआ।

इस अवसर पर कैडेंस डिजाइन सिस्टम इंडिया लिमिटेड के उपाध्यक्ष व प्रबंधक निदेशक जसविंद्र एस आहुजा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। टूवर्ड्स 5-जी एंड बियॉन्ड विद आईओटी एंड मशीन लर्निंग विषय पर केंद्रित इस ऑनलाइन संकाय विकास संवर्धन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जसविंद्र एस आहुजा ने सेमिकंडक्टर और इलैक्ट्रोनिक्स उद्योग में भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने इंटेलीजेंसी टेक्नोलॉजी डिजाइन व स्मार्ट उपकरणों के बढ़ते महत्व से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

महेंद्रगढ़। हकेवि में ऑनलाइन संकाय विकास संवर्धन कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. अनिल। फोटो : हरिभूमि

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राकेश कुमार ने बताया कि आईसीटीई के सहयोग से आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में करीब 200 प्रतिभागी पंजीकृत है। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ अधिष्ठाता डा. अजय बंसल ने कहा कि विभिन्न तकनीकी संस्थानों व इंडस्ट्री के विद्वान प्रतिभागियों के समक्ष अपने ज्ञान व अनुभव को प्रस्तुत करने जा रहे हैं।

महेंद्रगढ़। शहीदों को नमन करते कार्यवाहक वीसी आरसी कुहाड़।

वीर सपूतों के पराक्रम और शौर्य की पहचान कारगिल

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को याद किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में स्थित विद्या वीरता स्थल पर विवि के कार्यवाहक कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने दीप प्रज्जवलित व पुष्प अर्पित कर सेना के वीर योद्धाओं के त्याग, बलिदान व देश के प्रति समर्पण को याद किया। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि कारगिल युद्ध देश की सेना द्वारा लड़ा गया ऐसा युद्ध है, जिसमें जीत साबित करती है कि हमारी सेना विषम परिस्थितियों में भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने में सक्षम है। कुलपति ने कहा कि इस युद्ध में दुश्मन ऊंची पहाड़ियों पर बैठा था फिर भी हमारी सेना ने उसे खदेड़ने में कामयाबी हासिल की। उन्होंने इस युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को याद किया और उनको नमन किया। उन्होंने इस अवसर पर सभी का आह्वान करते हुए सेना के वीर सपूतों व उनके आश्रितों के लिए अपने स्तर पर सहयोग की व्यवस्था विकसित करने का सुझाव दिया।

ये रहे मौजूद : इस मौके पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, कुलसचिव डॉ. जे.पी. भूकर, प्रो. नीलम सांगवान, डॉ. आनन्द शर्मा, डॉ. विनोद, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. फूल सिंह, डॉ. गुंजन गोयल, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. बिजेंद्र सिंह, डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. संतोष, डॉ. पवन मौर्य, डॉ. पूजा यादव, डॉ. तेजपाल ढेवा, डॉ. अरुण काजला, डॉ. सिद्धार्थ शंकरराय, डॉ. नमता ढाका आदि उपस्थित रहे।

विद्या वीरता स्थल पर पुष्प अर्पित कर सैनिकों के बलिदान को किया याद

महेंद्रगढ़ स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्या वीरता स्थल पर दीप प्रज्वलित कर शहीदों को नमन करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर हकेंवि, महेंद्रगढ़ में भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को याद किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खण्ड तीन में स्थित विद्या वीरता स्थल पर पुष्प अर्पित कर सेना के वीर योद्धाओं के त्याग, बलिदान व देश के प्रति समर्पण को याद किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने दीप प्रज्वलित कर उपस्थित शिक्षकों, अधिकारियों व शिक्षणेतर कर्मचारियों से आह्वान करते हुए सेना के वीर सपूतों व उनके आश्रितों के लिए अपने स्तर पर सहयोग की व्यवस्था विकसित करने का सुझाव दिया। कुलपति ने इस अवसर पर इसके तहत विशेष फंड विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, कुलसचिव डॉ.जेपी भूकर, प्रो. नीलम सांगवान, डॉ.आनन्द शर्मा, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. फूल सिंह, डॉ. गुंजन गोयल, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. बिजेंद्र सिंह, डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. संतोष, डॉ. पवन मौर्य, डॉ. पूजा यादव, डॉ. तेजपाल ढेवा, डॉ. अरुण काजला, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. नम्रता ढाका सहित अन्य शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

'जाट-पाली संघर्ष समिति के सदस्यों ने केंद्रीय विश्वविद्यालय का सरकार द्वारा नया वाइस चांसलर लगाए जाने का किया स्वागत'

वर्तमान वाइस चांसलर को भ्रष्टाचार का जनक बता काले झंड़े लहरा पुतला जला जताया विरोध

महेंद्रगढ़, 24 जुलाई (मोहन, परमजीत): हरियाणा के एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली में वाइस चांसलर रमेशचंद कुहाड़ का 6 साल से अधिक का कार्यकाल लगभग विवादित ही रहा।

उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अनेक बार हड़ताल की, वहीं गांव जाट-पाली के ग्रामीणों ने संघर्ष समिति का गठन कर नौकरियों में अनियमितताएं व अन्य कारणों को लेकर लगभग 177 दिन से अधिक विश्वविद्यालय के गेट के सामने धरना दिया।

गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार के वाइस चांसलर डा. टंकेश्वर कुमार को केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली का वाइस चांसलर बनाने का आदेश पत्र सोशल मीडिया पर चला तो संघर्ष समिति के सदस्यों ने काले झंडे लेकर विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर रमेशचंद कुहाड़ के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए, साथ ही उनके पुतला जलाकर भ्रष्टाचार के जनक की संज्ञा दी।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली के वाइस चांसलर रमेशचंद कुहाड़ को हटाए जाने पर उनका काले झंडों से विरोध करते संघर्ष समिति के सदस्य।

संघर्ष समिति के सदस्य विजय सिंह फौजी, गौरव शर्मा, अशोक तंवर ने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर रमेशचंद कुहाड़ ने अपने 6 साल के कार्यकाल में यूनिवर्सिटी को जाति विशेष का गढ़ बना दिया, उनके कार्यकाल में जितनी भी भर्तियां हुई, उनमें भारी भ्रष्टाचार कर एक जाति विशेष के लोगों को लगाया गया। साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में बनाए गए भवनों में भी ठेकेदारों के मार्फत वाइस चांसलर रमेशचंद कुहाड़ ने मोटी धन राशि एकत्रित की।

संघर्ष समिति के सदस्यों ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर के पद पर गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार के वाइस चांसलर डा. टंकेश्वर कुमार की नियुक्ति पर खुशी जताई तथा उनकी नियुक्ति का स्वागत किया, साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई है कि नए वाइस चांसलर सबको साथ लेकर निष्पक्ष कार्य करेंगे।

साहित्य समाज का दर्पण है : प्रो. कुहाड़

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग ने आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में आभासी माध्यम से शैक्षणिक संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसका विषय स्वतंत्रता के बाद भारतीय अंग्रेजी साहित्य था। विश्वविद्यालय के निवर्तमान कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारतीय अंग्रेजी लेखन के भविष्य को आकार देने में, विभिन्न भारतीय अंग्रेजी लेखकों द्वारा निभाई गई भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है और मानव जाति के अस्तित्व का उत्तर प्रदान करता है। साहित्य किसी भी राष्ट्र की संस्कृति, परंपराओं, पहचान, संघर्ष, चेतना और भावना का प्रतिनिधित्व करता है। अरविन्द, माइकल मधुसूदन दत्त, बंकिमचंद्र चटर्जी, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर और सरोजिनी नायडू जैसे उल्लेखनीय भारतीय अंग्रेजी लेखकों के विशाल योगदान ने अंग्रेजी में भारतीय लेखन की मजबूत नींव रखी। निश्चित रूप से, हम स्वर्णिम अतीत की समझ के बिना आधुनिक साहित्य की सराहना नहीं कर सकते। प्रो. कुहाड़ ने उल्लेख किया कि यह संवाद प्रतिभागियों को यह समझने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय परिवार के साथ की चर्चा

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने गुरुपूर्णिमा के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों से मुलाकात कर शैक्षणिक, प्रशासनिक व ढांचागत विकास को लेकर चर्चा की। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिवार को गुरुपूर्णिमा की बधाई दी और कहा कि गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है क्योंकि वह अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि गुरुपूर्णिमा का दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी है। ऐसा माना जाता है कि उन्होंने ही चारों वेदों को लिपिबद्ध भी किया था। इस कारण उनका नाम वेद व्यास भी है, और उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने सभी को अखंड भारत के महान सपूत अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद महापुरुषों के जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ चर्चा करते हुए उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सफलतम क्रियान्वयन को लेकर उन्हें प्रोत्साहित किया और उन्हें मार्गदर्शन भी प्रदान किया। कुलपति ने इस अवसर पर उनके समक्ष विश्वविद्यालय की प्रगति से जुड़े विभिन्न प्रयासों पर भी चर्चा की और भविष्य के लिए कड़ी मेहनत व लगन के साथ काम करते रहने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा आज तक की उपलब्धियों पर संतोष रखो और भावी प्रगति आशा करो। इसी क्रम में कुलपति ने शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से मुलाकात में प्रो. आरसी कुहाड़ ने कोरोना काल में प्रशासनिक कर्मचारियों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें कोरोना वारियर्स की संज्ञा दी और कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भी कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय के जरूरी कार्यों को रुकने नहीं दिया और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड्स, लंदन के द्वारा मिला प्रतिबद्धता प्रमाण पत्र इस बात का प्रमाण है। शिक्षणेतर कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक व ढांचागत विकास में प्रो. आरसी कुहाड़ के योगदान को अविस्मरणीय बताया। कुलपति ने विश्वविद्यालय के आउटसोर्स कर्मचारियों को उनकी मेहनत व लगन से काम करने के लिए सराहना की और कहा कि विवि परिसर को हराभरा बनाने में आउटसोर्स कर्मचारियों के योगदान उल्लेखनीय हैं। यहां की परिस्थितियों में पेड़-पौधों को जीवंत रखना निसंदेह मेहनत का कार्य है।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़

डॉ. टंकेश्वर कुमार बने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. टंकेश्वर कुमार नए वाइस चांसलर होंगे। उनकी नियुक्ति के संबंध में केंद्र सरकार की तरफ से आदेश जारी किए गए हैं। बता दें कि डॉ. टंकेश्वर कुमार गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के वाइस चांसलर हैं। वो हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर आर सी कुहाड़ का स्थान लेंगे। आरसी कुहाड़ 16 अप्रैल 2015 में हकेंविवि के वाइस चांसलर नियुक्त हुए थे। उनकी नियुक्त पांच साल के लिए हुई थी। उनका कार्यकाल 2020 में समाप्त हो गया था। बाद में कोविड के चलते केंद्र सरकार की तरफ नए वाइस चांसलर की नियुक्ति नहीं होने तक उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था।

हकेंवि में आपदा मनो-सामाजिक संरक्षण विषय पर वेबिनार आयोजित

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मंगलवार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआइडीएम), रोहिणी के सहयोग से आपदा मनो-सामाजिक संरक्षण विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान शेखर चतुर्वेदी, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के विक्रम गुर्जर और हकेवि की प्रो. सारिका शर्मा ने सम्बोधित किया।

विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग व एनआइडीएम के सहयोग से आयोजित वेबिनार की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई और इसके पश्चात मौलिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता डा. विनोद कुमार ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का संदेश प्रस्तुत करते हुए विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और बताया कि प्राकृतिक आपदा हो या फिर मानव द्वारा उपस्थित आपदा दोनों से निपटने के लिए आवश्यक है कि मानव समाज को मनोवैज्ञानिक व सामाजिक मोर्चे पर सबल व सुदृढ़ बनाया जाए। डा. विनोद ने कुलपति की ओर से सभी विशेषज्ञों का स्वागत किया और कहा

प्रो. आरसी कुहाड़

कि अवश्य ही इस वेबिनार के माध्यम से प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण पक्षों को व्यावहारिक रूप से जानने समझने में मदद मिलेगी। इससे पूर्व आयोजन के संबंध में भूगोल विभाग के प्रभारी डा. मनीष कुमार ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की श्रृंखला के अंतर्गत किया गया है।

एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट विक्रम गुर्जर ने भारत में आपदा मनो-सामाजिक संरक्षण- मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर अपने विचार व्यक्त किए और विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विषय पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में एनआइडीएम के सहायक आचार्य शेखर चतुर्वेदी ने कोरोना काल में तनाव प्रबंधन में युवाओं की भूमिका विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि यह समय किस तरह से हर आयु वर्ग के लिए मुश्किल भरा रहा है और इस समय में एकाकीपन ने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है।

प्रो. सारिका शर्मा ने अपने सम्बोधन में आपदा मनो-सामाजिक संरक्षणः तकनीक विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने सम्बोधन में आपदा के समय में मानसिक व सामाजिक मोर्चे पर आवश्यक प्रबंधन व उससे जुड़े महत्वपूर्ण व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। वेबिनार के अंत में प्रश्नोत्तर काल का भी आयोजन किया गया।

जिसमें प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से अपनी जिज्ञासा के समाधान प्राप्त किए। वेबिनार के समापन सत्र में डा. विनोद कुमार ने विस्तृत चर्चा पर टिप्पणी प्रस्तुत की और इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु भूगोल विभाग के प्रभारी डा. मनीष कुमार व एमआइडीएम के सहयोगियों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

आपदा मनो-सामाजिक संरक्षण पर वेबिनार

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, रोहिणी के सहयोग से आपदा मनो-सामाजिक संरक्षण विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राष्ट्रीय आपदा .प्रबंधन संस्थान शेखर चतुर्वेदी, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के विक्रम गुर्जर, और हकेवि की प्रो. सारिका शर्मा ने संबोधित किया। विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग व एनआईडीएम के सहयोग से आयोजित वेबिनार में मौलिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता डॉ. विनोद कुमार ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का संदेश प्रस्तुत करते हुए विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत...

'पाठ्यक्रम में बदलाव विद्यार्थियों को अधिक स्वायत्तता प्रदान करेंगे : प्रो. आर.सी.कुहाड़'

महेंद्रगढ़, 19 जुलाई (परमजीत, मोहन): नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन हेतु देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों की अपेक्षा उल्लेखनीय ढंग से प्रयासरत है।

अवश्य ही विश्वविद्यालय के ये प्रयास नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्ष्य को पाने में मददगार सिद्ध होंगे। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अंत: विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ द्वारा नई शिक्षा नीति पर आधारित पाठ्यक्रम निर्माण हेतु आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अप्पा राव पोडले, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. वी.के. चौधरी, प्रो. जे.एस. विर्दी और डा. अमिता गुप्ता उपस्थित रहे। अंत: विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय की संकायाध्यक्ष व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने सभी आमंत्रित विषय विशेषज्ञों और कुलपति महोदय का स्वागत किया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कुलपति ने प्रतिभागियों को बताया कि किस तरह से विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन हेतु प्रयासरत है।

इस दिशा में निरंतर चर्चा, विमर्श, कार्यशालाओं व वैबिनार का आयोजन किया जा रहा है और इनमें शामिल होने वाले विशेषज्ञों के उल्लेखनीय सुझावों को

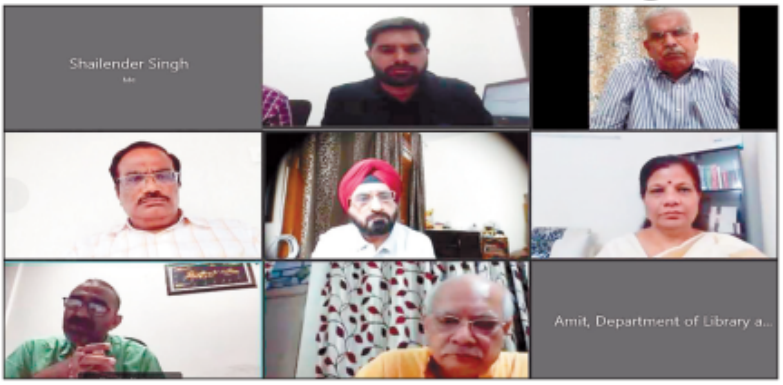

हकेंवि में नई शिक्षा नीति पर आधारित पाठ्यक्रम निर्माण हेतु आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया में समाहित किया जा रहा है। कुलपति ने इस अवसर पर पाठ्यक्रम निर्माण के विभिन्न तकनीकी पक्षों का उल्लेख करते हुए विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए मूल्य-आधारित पक्षों को महत्व देने, इनोवेशन पर जोर देने के साथ-साथ विद्यार्थियों को ब्लेंडिड लर्निंग का विकल्प उपलब्ध कराने की अनिवार्यता व्यक्त की।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अप्पा राव पोडले ने विश्वविद्यालय द्वारा नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु जारी प्रयासों की सराहना की और नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा व्यवस्था के विकास पर जोर दिया। उन्होंने ऑनलाइन एजुकेशन के प्रभाव पर भी चर्चा की और इसके लिए विशेष रूप से प्रयास करने की जरूरत बताई। दूसरे विशेषज्ञ वक्ता प्रो. वी.के. चौधरी ने संयुक्त अध्ययन व अध्यापन की व्यवस्था को विकसित करने पर जोर दिया और कहा कि इसके माध्यम से आपसी सहयोग से उपलब्ध ज्ञान का अधिकतम प्रचार-प्रसार व विस्तार संभव हो सकेगा। अन्य विशेषज्ञ डा. अमिता गुप्ता ने अपने संबोधन में नई शिक्षा नीति के आने के बाद शिक्षकों द्वारा शिक्षण के स्तर पर विस्तृत बदलाव की आवश्यता पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न पाठ्यक्रमों में इलैक्टिव कोर्स के महत्व पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम की संयोजक प्रो. नीलम सांगवान ने अपने संबोधन में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत सुझावों को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का संचालन पोषण जीव विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डा. तेजपाल ढेवा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. दिनेश गुप्ता ने प्रस्तुत किया।

प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. दिनेश गुप्ता, डा. बिजेंद्र सिंह, डा. गुंजन गोयल, डा. दिनेश कुमार, डा. अजय पाल, डा. अश्वनी कुमार, डा. मनोज कुमार ने अपने विभाग के विषयों को प्रस्तुत किया।

पाठ्यक्रम में अधिक स्वायत्तता छात्रों के हित में

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन के लिए देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों की अपेक्षा उल्लेखनीय ढंग से प्रयासरत है। इसी के परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालय द्वारा निरंतर विशेषज्ञ व्याख्यानों, कार्यशालाओं व चर्चाओं का आयोजन किया जा रहा है। अवश्य ही विश्वविद्यालय के ये प्रयास नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्ष्य को पाने में मददगार सिद्ध होंगे। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने अंतःविषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ के द्वारा नई शिक्षा नीति पर आधारित पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, प्रो. अप्पा राव पोडले, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. वीके चौधरी, प्रो. जेएस विर्दी और डा. अमिता गुप्ता उपस्थित रहे। अंतःविषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय की संकायाध्यक्ष व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने सभी आमंत्रित विषय विशेषज्ञों और कुलपति महोदय का स्वागत किया। कुलपति आरसी कुहाड़ ने बताया कि इस दिशा में निरंतर चर्चा, विमर्श, कार्यशालाओं व वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है और इनमें शामिल होने वाले विशेषज्ञों के उल्लेखनीय सुझावों को पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया में समाहित किया जा रहा है। कुलपति ने विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए मूल्य-आधारित पक्षों को महत्त्व देने, इनोवेशन पर जोर देने के साथ-साथ विद्यार्थियों को ब्लेंडिड लर्निंग का विकल्प उपलब्ध कराने की अनिवार्यता व्यक्त की। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अप्पा राव पोडले ने विश्वविद्यालय के द्वारा नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए जारी प्रयासों की सराहना की और नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा व्यवस्था के विकास पर जोर दिया। दूसरे विशेषज्ञ वक्ता प्रो. वीके चौधरी ने संयुक्त अध्ययन व अध्यापन की व्यवस्था को विकसित करने पर जोर दिया और कहा कि इसके माध्यम से आपसी सहयोग से उपलब्ध ज्ञान का अधिकतम प्रचार-प्रसार व विस्तार संभव हो सकेगा। इसलिए नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत विशेष रूप से प्रयास करने होंगे। इसी तरह प्रो. जेएस विर्दी ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति व लर्निंग आउटकम बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क (एलओसीएफ) के अंतर्गत तैयार होने वाले पाठ्यक्रमों में विषय आधारित नैतिक पक्षों के साथ-साथ विद्यार्थियों को जीवन पर्यन्त काम आने वाले नैतिक मूल्यों से भी अवगत कराने पर जोर दिया। विशेषज्ञ डा. अमिता गुप्ता ने अपने संबोधन में नई शिक्षा नीति के आने के बाद शिक्षकों द्वारा शिक्षण के स्तर पर विस्तृत बदलाव की आवश्यता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में मौलिक व प्रोफेशनल पाठ्यक्रम के बीच के अंतर को खत्म कर दिया है और हमें इस बदलाव को देखते हुए ही पाठ्यक्रम निर्माण और शिक्षण तकनीकों का विकास करना होगा। उन्होंने विभिन्न पाठ्यक्रमों में इलेक्टिव कोर्स के महत्त्व पर भी जोर दिया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता डा. संजीव कुमार ने नई शिक्षा नीति को केंद्र में रखते हुए पाठ्यक्रम निर्माण के आधारभूत पक्षों को प्रस्तुत किया और उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. नीलम सांगवान ने अपने संबोधन में विशेषज्ञों के द्वारा प्रस्तुत सुझावों को महत्त्वपूर्ण बताया। इस कार्यशाला में बायोकेमेस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, न्यूट्रिशन बायोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फार्मासुटिल साइंसेज, पर्यावरण अध्ययन, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान तथा योग विभाग ने नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप तैयार किया।

हकेंवि में नई शिक्षा नीति पर आधारित पाठ्यक्रम निर्माण हेतु कार्यशाला को संबोधित करते हुए के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ (दाईं ओर सबसे ऊपर वाले बाक्स में) ● साभार हकेंवि

'हकेंवि के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग के छात्र को मिली प्लेसमैंट'

महेंद्रगढ़, 18 जुलाई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के तहत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग के छात्र जसमीत सिंह को अपने क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। जसमीत सिंह का यह चयन विभाग के ऑफ कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव से हुआ है।

जसमीत सिंह।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने प्लेसमैंट पाने वाले छात्र को शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के समय में भी विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को लगातार प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो पा रहे हैं।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डा. अजय कुमार बंसल ने भी छात्र और विभाग के शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विभाग के एक और विद्यार्थी को प्रसिद्ध कंपनी में प्लेसमैंट मिलना इस बात को साबित करता है कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

विभाग के प्रभारी संदीप बूरा ने विभाग के सहायक आचार्य निशान सिंह का विशेष धन्यवाद किया, जिनके मार्गदर्शन में प्रशिक्षण व चयन प्रक्रिया का कार्य पूर्ण हुआ है।

हरियाणा केंद्रीय विवि के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग के छात्र को मिला प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के तहत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग के छात्र जसमीत सिंह को अपने क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी रेपलिका प्रेस प्राइवेट लिमिटेड सोनीपत में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है।

जसमीत सिंह

हकेवि के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग के छात्र को मिला प्लेसमेंट

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के तहत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग के छात्र जसमीत सिंह को अपने क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनी रेपलिका प्रैस प्राइवेट लिमिटेड, सोनीपत में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है।

जसमीत सिंह का यह चयन विभाग के ऑफ कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव से हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने प्लेसमेंट पाने वाले छात्र को शुभकामनाएं दी और छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के समय में भी विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को लगातार प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो पा रहे हैं।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. अजय कुमार बंसल ने भी छात्र और विभाग के शिक्षकों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि विभाग के एक और विद्यार्थी को प्रसिद्ध कम्पनी में प्लेसमेंट मिलना इस बात को साबित करता है कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। विभाग के प्रभारी संदीप बूरा ने विभाग के सहायक आचार्य निशान सिंह का विशेष धन्यवाद किया जिनके मार्गदर्शन में प्रशिक्षण व चयन प्रक्रिया का कार्य पूर्ण हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग के सभी शिक्षकगण विद्यार्थियों को उत्तम शिक्षण, प्रशिक्षण व प्लेसमेंट करवाने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

महेंद्रगढ़। आरटीआई एक्ट पर केंद्रित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। फोटो : हरिभूमि

आरटीआई एक्ट प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता के लिए महत्पवूर्ण

■ हकेवि में आरटीआई पर राष्ट्रीय केंद्रित पर कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

सूचना का अधिकार कानून एक ऐसा कानून है जो प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता हेतु महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। यह कानून आम नागारिक को बिना किसी भेदभाव के प्रशासनिक व्यवस्था को जानने समझने का अधिकार व अवसर प्रदान करता है। इसे सीधे शब्दों में सनसाइन लॉ कहें तो अनुचित नहीं होगा। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विश्वविद्यालय के सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ आरटीआई सेल व हरियाणा इंस्टीटयूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन गुरूग्राम के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस राष्ट्रीय कार्यशाला को हरियाणा इंस्टीटयूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्टेशन गुरूग्राम डा. राजवीर ढ़ाका, आरटीआई कार्यकर्त्ता सुभाष चंद्र अग्रवाल और विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजबीर दलाल ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रतिभागियों को संबोधित किया। विश्वविद्यालय कुलपति ने अपने संबोधन में विशेष रूप से आरटीआई एक्ट के मूल उद्देश्य का उल्लेख करते हुए इसे एक महत्वपूर्ण व जन उपयोगी कानून बताया। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता सुभाष चंद्र अग्रवाल ने अपने संबोधन में इस कानून के व्यावहारिक पक्षों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इस कानून को भारतीय नागरिकों को आजाद भारत में सूचना के स्तर पर मिली सूचना की दूसरी आजादी बताया। विवि का आरटीआई सेल इस दिशा में बेहद सकारात्मक रूप से कार्यरत है और आरटीआई के अंतर्गत मांगी जाने वाली सूचनाएं निर्धारित समय पर नियमानुसार आवेदकों को उपलब्ध कराता है।

पौधरोपण के प्रति किया जागरूक

कुलपति ने त्रिवेणी लगाकर किया अभियन का आरंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जिला वन विभाग की तरफ से पौधारोपण की शुरूआत कुलपति प्रोफेसर रमेश चंद्र कुहाड़ ने त्रिवेणी लगाकर की। इस अवसर पर कुलपति ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व क्षेत्रवासियों से आह्वान किया कि वह वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधारोपण करें। जिससे वातावरण प्रदूषण कम हो और सभी को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिल सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हरियाली बढ़ाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय पर्यावरण दिवस, दीक्षांत समारोह, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस आदि पर पौधारोपण अभियान चलाया जाता है। साथ ही विद्यार्थियों व आमजन को भी पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से पेड़ लगाने व उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुलपति ने पौधारोपण अभियान में जिला वन विभाग के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। जिला वन अधिकारी रोहताश सिंह ने बताया कि इससे पहले भी वन विभाग ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पौधारोपण करवाया है। जिसके फलस्वरूप परिसर में हरियाली बढ़ी है। इस मौके पर डॉ. बिजेंद्र सिंह, डॉ. पवन कुमार मौर्य व डॉ. विनोद कुमार सहित विश्वविद्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। पौधारोपण करते हुए कुलपति व विवि का अन्य स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

दो हजार पौधे लगाने का लक्ष्य

विश्वविद्यालय के हॉर्टिकल्चर इंचार्ज डॉ. सुरेंद्र सिंह ने इस अवसर पर कुलपति को इस मुहिम का प्रेरणा स्रोत बताया और कहा कि इस वर्ष भी स्थानीय वातावरण के अनुरूप नीम, पापड़ी, पीपल, बरगद, गुलमोहर आदि के पौधे परिसर में लगाए गए हैं। इस वर्ष परिसर में दो हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। रेंज वन अधिकारी नरेंद्र कुमार ने विश्वविद्यालय को पूरे सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि अगले सत्र में स्थानीय जलवायु के अनुकूल पौधारोपण सुनिश्चित किया जाएगा।

हकेंवि में पौधरोपण अभियान आरम्भ

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में जिला वन विभाग की तरफ से पौधरोपण की शुरुआत कुलपति प्रोफेसर रमेश चंद्र कुहाड़ ने त्रिवेणी लगाकर की। उन्होंने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व क्षेत्रवासियों से आह्वान किया कि वह वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधारोपण करें। जिला वन अधिकारी रोहताश सिंह ने बताया कि इससे पहले भी वन विभाग ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पौधारोपण करवाया है, जिसके फलस्वरूप परिसर में हरियाली बढ़ी है। हॉर्टिकल्चर इंचार्ज डॉ. सुरेंद्र सिंह ने इस मुहिम का प्रेरणा स्रोत बताया और कहा कि इस वर्ष परिसर में दो हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। रेंज वन अधिकारी नरेंद्र कुमार ने विश्वविद्यालय को पूरे सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डॉ. बिजेंद्र सिंह, डॉ. पवन कुमार मौर्य, डॉ. विनोद कुमार सहित विश्वविद्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों की एकल प्रवेश परीक्षा

प्रो. निरंजन कुमार

इस साल बारहवीं की परीक्षाओं के रद होने पर सीयूसीईटी यानी सेंट्रल यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट की जरूरत और भी बढ़ गई है

एक अर्से से केंद्रीय विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में प्रवेश का मुद्दा चर्चा में है। समझा जा रहा है कि अकादमिक वर्ष 2021-22 में देश के सभी 49 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए एक कॉमन एडमिशन टेस्ट यानी सेंट्रल यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीयूसीईटी) कराया जाएगा, पर कोरोना संकट के कारण स्थिति अभी अस्पष्ट है। हालांकि सीयूसीईटी को लेकर विवाद उठ खड़ा हुआ है। वैसे विश्वविद्यालयों के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट की शुरुआत वर्ष 2010 में ही हो गई थी। पिछले वर्ष भी 14 केंद्रीय विश्वविद्यालयों और चार राज्य विश्वविद्यालयों में प्रवेश इसी तरीके से हुआ था। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भी सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट कराने की अनुशंसा है। सीयूसीईटी के पीछे अवधारणा यह है कि विद्यार्थियों को अलग-अलग परीक्षाओं के जंजाल से मुक्ति दिलाई जाए। याद कीजिए, किसी समय मेडिकल-इंजीनियरिंग की कितने तरह की प्रवेश-परीक्षाएं होती थीं। परीक्षा देते-देते छात्र पस्त हो जाते थे। कई बार तो विभिन्न संस्थानों की परीक्षाओं की तिथियों में टकराव हो जाता था और छात्रों के सामने किसी परीक्षा को छोड़ने की नौबत आ जाती थी। इसीलिए भारत सरकार ने पहले मेडिकल और इंजीनियरिंग सहित 22 राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में भी विधि पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कॉमन एडमिशन टेस्ट शुरू करा दिया। फिर बीए, बीएससी और बीकॉम आदि स्नातक या विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्रों को इतने सारे विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं के जंजाल से कैसे मुक्ति मिले, इसके लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक समिति का गठन किया। उसने जेएनयू और दिल्ली विश्वविद्यालय समेत सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एकल प्रवेश परीक्षा की अनुशंसा की।

सीयूसीईटी का मुख्य विरोध वैचारिक कारणों से है। चूंकि मोदी सरकार छात्रहित में सीयूसीईटी को विस्तार देना चाहती है तो मोदी विरोध की मानसिकता सीयूसीईटी के विरोध में परिणत हो जाती है। याद रहे कि मनमोहन सरकार के समय भी उनके प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार सीएनआर राव ने अनेक परीक्षाओं के तनाव एवं बोझ से लदे विद्यार्थियों की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने उच्च शिक्षा में प्रगति के लिए मनमोहन सिंह को सौंपी-अनिवार्य कदम: एक सूची' नामक रिपोर्ट में उच्च शिक्षा के सभी पाठ्यक्रमों में अमेरिकी मॉडल जैसी एक राष्ट्रीय परीक्षा कराने पर जोर दिया था।

निःसंदेह उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों में एकल प्रवेश परीक्षा अत्यावश्यक है। इससे छात्रों को अनेक परीक्षाओं से मुक्ति और

अवनेश राजपूत

एक ही परीक्षा से अनेक विश्वविद्यालयों में प्रवेश का विकल्प मिल सकेगा। सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को इसका विशेष लाभ मिलेगा। इसी तरह देश के दूर-दराज इलाकों जैसे पूर्वोत्तर या सुदूर दक्षिण के छात्र कई परेशानियों से बच जाएंगे। एकल प्रवेश परीक्षा लड़कियों के मामले में तो और भी उपयोगी साबित होगी। 12वीं के अंकों के बजाय एकल प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश इसलिए भी उचित है कि देश में सीबीएसई बोर्ड के अतिरिक्त सीआइएससीई बोर्ड और विभिन्न राज्यों के अपने-अपने बोर्ड हैं। सभी बोर्डों में अंक देने की अलग-अलग प्रणाली है। ऐसे में 12वीं के अंकों के आधार पर प्रवेश देने से उन राज्यों के अनेक प्रतिभाशाली छात्र प्रवेश पाने से वंचित रह जाते हैं, जहां अपेक्षाकृत कम अंक मिलते हैं अथवा बहुत कम छात्रों को 90 प्रतिशत अंक मिलते हैं। यह न केवल उन छात्रों के साथ अन्याय है, बल्कि इससे समाज-राष्ट्र की भी हानि होती है। यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 में उल्लिखित समानता के अधिकारों का भी हनन है। इस साल 12वीं की परीक्षाओं के रद होने पर सीयूसीईटी की जरूरत और भी बढ़ गई है। लगभग सभी बोर्डों ने अंक आवंटित करने के लिए अपना एक फॉर्मूला जारी किया है, जिससे अंकों में एक समतुल्यता नहीं होगी। यह एक ऐसा तथ्य है, जिससे सभी अवगत हैं।

अलग-अलग परीक्षा की जगह सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए एकल परीक्षा होने से संसाधनों की बचत भी होगी। हर विश्वविद्यालय इतना साधन संपन्न और सक्षम नहीं कि वह पूरे देश में पर्याप्त केंद्रों पर परीक्षा ले सके। कई विश्वविद्यालयों के परीक्षा केंद्र एक दर्जन शहरों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाते। इससे छात्रों के साथ-साथ विश्वविद्यालयों को भी हानि होती है। वे पूरे देश के सर्वश्रेष्ठ छात्रों को आकर्षित नहीं कर पाते। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय यानी जेएनयू ही एक विरला विश्वविद्यालय है, जिसकी सवा सौ शहरों में प्रवेश-परीक्षा होती है। जेएनयू की गुणवत्ता का एक प्रमुख कारण है, पूरे देश के प्रतिभाशाली छात्रों का वहां आगमन।

सीयूसीईटी के खिलाफ एक अन्य तर्क है कि इससे स्ट्रीम बदलना मुमकिन नहीं। बारहवीं में विज्ञान पढ़ने वाला, स्नातक स्तर पर कला-मानविकी पढ़ना चाहे तो संभव नहीं होगा, लेकिन इस समस्या का समाधान कठिन नहीं। विज्ञान-विषय से प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले जो छात्र मानविकी-समाज विज्ञान पढ़ना चाहें, उनके डेढ़-दो प्रतिशत अंक कमकर उनकी मेरिट मानविकी-समाज विज्ञान के लिए बनाई जाए। दिल्ली विश्वविद्यालय में अभी यह व्यवस्था लागू है। विरोधियों का एक अन्य तर्क है कि सीयूसीईटी से कोचिंग वाले छात्रों का दबदबा होगा, कमजोर वर्ग अथवा सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र कोचिंग के अभाव में पिछड़ जाएंगे। इस समस्या का समाधान टेक्नोलॉजी के जमाने में कठिन नहीं। एकल प्रवेश परीक्षा से करोड़ों रुपये की जो बचत होगी, उसके कुछ हिस्से से ही एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस के साथ-साथ लड़कियों और अन्य वंचित वर्ग के लिए तीन-चार महीने की गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क कोचिंग ऑनलाइन तरीके से दी जाए। कोई छात्र किसी कारणवश परीक्षा देने से वंचित न रह जाए, इसके लिए जेईई और नीट की ही तरह सीयूसीईटी भी तीन से चार बार कराई जाए।

कोरोना काल में अगर जेईई और नीट की परीक्षा हो सकती है तो सीयूसीईटी क्यों नहीं? नए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से अपील है कि शिक्षा संबंधित किसी भी नीतिगत निर्णय में तीन बिंदुओं को ध्यान में रखा जाए-राष्ट्र-समाज हित, व्यक्ति अर्थात छात्र-हित और ज्ञान का हित। सीयूसीईटी राष्ट्र, छात्र और ज्ञान, तीनों के ही हित में है।

(लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं)
response@jagran.com

दक्षिण अफ्रीका में कोरोना काल में टैक्स में दी गई राहत

स्ट्रैटेजिक रिस्पान्सेस टू कोविड विषय पर हुआ आयोजन

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : कोरोना महामारी से बचाव के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ निरंतर प्रयासरत है। ऐसे ही प्रयासों के अंतर्गत विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग व भूगोल विभाग के संयुक्त प्रयासों से इंडिया वर्सेस साउथ अफ्रीकाः स्ट्रैटेजिक रिस्पान्सेस टू कोविड-19 विषय पर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने अपने संदेश के माध्यम से इस तरह के आयोजनों को मौजूदा समय की आवश्यकता बताया और कहा कि अवश्य ही इनसे कोरोना के संकट से निपटने की दिशा में जारी विभिन्न प्रयासों को बल मिलेगा। विशेषज्ञ व्याख्यान की मुख्य वक्ता प्रो. निर्मला क्रिमिनोलाजी एंड फोरेंसिक स्टडीज, स्कूल आफ अप्लाइड ह्यूमन साईंसेज, यूनिवर्सिटी आफ क्वाजुलु, नटाल, साउथ अफ्रीका में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। मुख्य वक्ता प्रो. निर्मला ने सर्वप्रथम भारत दक्षिण अफ्रीका के ऐतिहासिक, भौतिक और जनसांख्यिकी मुद्दों पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात उन्होंने दक्षिण अफ्रीका और भारत में कोरोना का सामना किस प्रकार किया गया, उसको तुलनात्मक रूप से बताया। दक्षिण अफ्रीका के बारे में उन्होंने बताया

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति आरसी कुहाड़ ● जागरण

कि दक्षिण अफ्रीका में सबसे पहले 5 मार्च 2020 को प्रथम कोरोना का केस आया। इसके पश्चात 23 मार्च 2020 को प्रेसिडेंट ने वहां लाकडाउन लगाया। कोरोना से दक्षिण अफ्रीका पर पड़ने वाले सामाजिक व आर्थिक प्रभाव के बारे में भी प्रो. निर्मला ने प्रतिभागियों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोरोना की वजह से जिस घर में किसी की मृत्यु हुई है वहां गवर्नर ने उनको आर्थिक सहायता प्रदान की है। इस कार्य में एनजीओ ने भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। इसके साथ ही लोगों को कर में भी छूट प्रदान की गई है। विशेषज्ञ वक्ता ने भारत में वैक्सीन प्रोग्राम की काफी प्रशंसा की। इसके साथ ही भारत में रेलवे, कॉलेज और होटल में बनाए जा रहे क्वारनटीन सेंटर की भी सराहना की। उन्होंने भारत के आरोग्य सेतु एप को भी काफी अच्छा बताया। उन्होंने बताया कि कोरोना के कारण भारत की जीडीपी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में सह आचार्य डा. शांतेश कुमार सिंह ने मुख्य वक्ता का परिचय करवाया। इसके पश्चात कार्यक्रम के निदेशक प्रो. राजवीर सिंह दलाल ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. दलाल ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कोविड-19 के प्रबंधन को लेकर भारत और दक्षिण अफ्रीका के तुलनात्मक प्रबंधन तकनीक के विषय में जानकारी प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ की प्रेरणा व मार्गदर्शन से हम व्याख्यान श्रृंखला के माध्यम से स्वयं को और लोगों को कोविड 19 से बचने के उपाय बताने में योगदान दे रहे हैं। प्रो. दलाल ने बताया कि ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला का यह पांचवां आयोजन है। व्याख्यान के पश्चात प्रश्न उत्तर सत्र की शुरुआत हुई जिसमे विभिन्न प्रश्न पूछे गए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम के निदेशक डा. विनोद कुमार और प्रो. राजवीर सिंह दलाल और संयोजक डा. शान्तेश कुमार सिंह और डा. मनीष कुमार रहे। आयोजन समिति में डा. चंचल कुमार शर्मा, डा. रमेश कुमार, डा. खेराज, डा. जितेंद्र कुमार, डा. ग्लोरिया कुजूर व सुश्री श्वेता सोहल शामिल रहे।

हकेंवि की छात्रा को मिला बेहतर प्लेसमेंट

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़ में स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के तहत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलाजी विभाग की छात्रा विजया भारती को प्रतिष्ठित मेक्स फिलम्स, रोपड़, पंजाब में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विजया भारती का यह चयन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग के आफ कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में हुआ है। विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने रोजगार पाने वाली छात्रा को शुभकामनाएं दीं और छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलपति ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में विवि स्तर पर हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि पढ़ाई के दौरान ही विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। विवि के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के अधिष्ठाता डा. अजय कुमार बंसल ने छात्रा और विभाग के शिक्षको संदीप बूरा, तरूण, शम्मी मेहरा व निशान सिंह को बधाई दी। मेक्स फिलम्स पैकेजिंग क्षेत्र की एक प्रतिष्ठित मल्टीनेशनल कंपनी है। विवि की छात्रा को सालाना लगभग तीन लाख पचास हजार रूपये का पैकेज आफर हुआ है। डा. बंसल ने बताया कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग ऐसा पाठ्यक्रम है आज रोजगार के बेहतरीन अवसर उपलब्ध हैं।

विजया भाटी ● सौजन्य हकेवि

मौलिक अनुसंधान के विकास में शोध शुद्धि महत्वपूर्ण प्रयासः कुहाड़

महेन्द्रगढ़, सरोज यादव/महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): आधुनिक दौर में शोध के क्षेत्र में विशेषज्ञता के साथ उल्लेखनीय कार्य हेतु जरूरी है कि युवा पीढ़ी सही दिशा में आगे बढ़े। सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रयोग में मौलिक अनुसंधान की पहचान व विकास हेतु जरूरी है कि हम विशेष रूप से सतर्क रहें और सही मार्ग पर आगे बढ़े। इस कार्य में शोध की प्रमाणिकता सुनिश्चित करना आवश्यक है, जिसमें शोध शुद्धि एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इनफ्लिबिनेट सेन्टर, गुजरात के राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। हरियाणा व दिल्ली के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 80 संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अपने उद्बोधन में शोध की प्रमाणिकता हेतु आवश्यक नैतिक व तकनीकी पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित विभिन्न मानकों की अनुपालना कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूजीसी रेगुलेशन्स आन प्रमोशन आफ एकेडमिक इंटीग्रिटी एंड प्रीवेन्शन आफ प्लेग्रिज्म इन हायर एजूकेशनल इंस्टीट्यूशन्स को सैद्धांतिक रूप से अपना रहा है और हमारे यहां इंस्टीट्यूशनल एकेडमिक इंटीग्रिटी कमेटी व इंपार्टमेंटल इंटीग्रिटी कमेटी के विनियम अधिसूचित हैं। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय मौलिक शोध कार्य की पहचान हेतु सभी शिक्षकों, ए विद्यार्थियों व शोधार्थियों को उरकुंड व टर्नेटिन आदि उपलब्ध करा रहा है।

व्याख्यान | **हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. अशोक आचार्य ने रखे विचार**

'विद्यार्थी व्यावहारिक पहलुओं को भी जानें और समझें'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) के राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत राजनीतिक सिद्धांत एवं व्यावहारिक विश्व विषय पर ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने की।

उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों, शोधार्थियों के लिए लगातार आयोजित किए जा रहे इन विशेषज्ञ व्याख्यानों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इस तरह के आयोजनों से उन्हें विषय के व्यावहारिक पक्षों को गहराई से समझने का अवसर मिलता है। राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. अशोक आचार्य विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। राजनीति विज्ञान विभाग के इस आयोजन की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की प्रगति को प्रदर्शित करने वाली डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि)। (फाइल फोटो)

विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ आयोजन की शुरुआत हुई

प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि हम लगातार विभिन्न आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों से जुड़े विशेषज्ञों से जुड़ने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। इसमें आजादी का अमृत महोत्सव अभियान, विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम प्रमुख हैं।

कुलपति ने राजनीतिक सिद्धांत एवं व्यावहारिक विश्व विषय पर कहा कि अवश्य ही इस व्याख्यान के माध्यम से प्रतिभागियों को विषय के संदर्भ में गहराई से जानकारी प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि थ्योरी, वास्तविकता के बीच के अंतर को समझने के लिए आवश्यक है कि हम सैद्धांतिक पक्षों को जानने के साथ-साथ व्यावहारिक पहलुओं को भी जाने और समझें।

विषय को समझने में विशेषज्ञों की भूमिका महत्वपूर्ण

इसी क्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अशोक आचार्य ने कहा कि इस विषय के संदर्भ में सबसे बड़ी चुनौती राजनैतिक सिद्धांत का विवरण पश्चिमी विशेषज्ञों के द्वारा विशेष दार्शनिक भाषा में उपलब्ध हैं, जिसे समझ पाना सामान्य विद्यार्थी, शोधार्थी आसान नहीं है। इसलिए आवश्यक है कि इन सिद्धांतों को न सिर्फ भारतीय संदर्भ में देखा जाए बल्कि उनके व्यावहारिक पक्षों को भी भारतीय परिदृश्य के अनुरूप प्रदर्शित करने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि इस पक्ष को सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक विभिन्न स्तरों पर मूल्यांकन करने के बाद ही समझा जा सकता है और इस दिशा में विशेषज्ञों की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. अशोक आचार्य ने जहां राजनीतिक सिद्धांत, व्यावहारिक जगत का मार्गदर्शन करते हैं वहीं व्यावहारिक जगत के अनुभवों से राजनीतिक चिंतन, सिद्धांत अपना आंकलन, मूल्यांकन, संशोधन करते हैं।

हकेंवि के इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मिली एआईसीटीइ की मंजूरी

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के अंतर्गत उपलब्ध सभी चार पाठ्यक्रमों को आल इंडिया काउंसिल फार टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीइ), नई दिल्ली ने सत्र 2021-22 के लिए मान्यता दे दी है। विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि यह मान्यता विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी।

कुलपति ने कहा कि वर्ष 2016 में विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू करते समय हमने यह भरोसा दिलाया था कि इंजीनियरिंग के लिए आवश्यक सभी मानकों को हम पूर्ण करेंगे और बीते वर्ष एआईसीटीइ की ओर से सभी इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए मान्यता प्रदान की गई थी। इसी क्रम में एक बार पुनः एआईसीटीइ से शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए सभी चार इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों सहित औषधि विज्ञान विभाग के अंतर्गत उपलब्ध नए पाठ्यक्रम एमफार्म इन फार्माक्लोजी को मान्यता दे दी है।

उपलब्धि

- एमफार्म इन फार्माक्लोजी को भी मिली मान्यता
- कुलपति ने कहा- विद्यार्थियों के हित में लगातार प्रयासरत

हकेंवि के कुलपति आरसी कुहाड़ ● जागरण

विश्वविद्यालय के कुलपति ने एआईसीटीई की इस मंजूरी के बाद कहा कि विश्वविद्यालय इन सभी तकनीकी पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए आवश्यक संसाधनों के विकास की दिशा में अग्रसर है। हमारे पास अनुभवी संकाय सदस्यों के साथ-साथ जरूरी अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध हैं। कुलपति बोले कि इंजीनियरिंग के लिए निर्धारित प्रमुख मानकों के अंतर्गत अब स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी में उपलब्ध सभी चार पाठ्यक्रमों को एआईसीटीई की भी मान्यता मिल गई है जो साबित करती है कि हम विद्यार्थियों के हित में किस तरह से अनवरत प्रयासरत हैं। साथ ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध एमफार्म इन फार्माक्लोजी को भी एआईसीओइ ने मंजूरी दे दी है जो हर्ष का विषय है।

स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के डीन डा. अजय बंसल ने बताया कि एआईसीटीई से प्राप्त पत्र के अनुसार बीटेक इन कंप्यूटर सांइस एंड इंजीनियरिंग, बीटेक इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, बीटेक इन सिविल इंजीनियरिंग और बीटेक इन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलाजी के पाठ्यक्रमों सहित एमफार्म इन फार्माक्लोजी पाठ्यक्रम को औषधि विज्ञान विभाग के अंतर्गत मान्यता मिल गई है। डा. बंसल ने इस एआईसीटीइ की मान्यता को कुलपति की ओर से मिली प्रेरणा व मार्गदर्शन का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि इस मान्यता से विद्यार्थियों के लिए तय मानकों के अनुरूप तैयार पाठ्यक्रमों में अध्ययन का अवसर प्राप्त होगा ।

हकेंवि के इंजीनिरिंग पाठ्यक्रमों को मिली एआईसीटीई की मंजूरी

एम.फॉर्म इन फॉर्माक्लोजी को भी मिली मान्यता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत उपलब्ध सभी चार पाठ्यक्रमों को आल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई), नई दिल्ली ने सत्र 2021-22 के लिए मान्यता प्रदान कर दी है। विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि यह मान्यता विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 में विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू करते समय हमनें यह भरोसा दिलाया था कि इंजीनियरिंग के लिए आवश्यक सभी मानकों को हम पूर्ण करेंगे और बीत वर्ष एआईसीटीई की ओर से सभी इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए मान्यता प्रदान की गई थी। इसी क्रम में एक बार पुनः एआईसीटीई से शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए सभी चार इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों सहित औषधि विज्ञान विभाग के अंतर्गत उपलब्ध नए पाठ्यक्रम एम.फॉर्म इन फॉर्माक्लोजी को मान्यता दे दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने एआईसीटीई की इस मंजूरी के बाद खुशी जाहिर करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय इन सभी तकनीकी पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु आवश्यक संसाधनों के विकास की दिशा में अग्रसर है। हमारे पास अनुभवी संकाय सदस्यों के साथ-साथ जरूरी अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध हैं। कुलपति बोले कि इंजीनियरिंग के लिए निर्धारित प्रमुख मानकों के अंतर्गत अब स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में उपलब्ध सभी चार पाठ्यक्रमों को एआईसीटीई की भी मान्यता मिल गई है।

'विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम और शिक्षण वैश्विक शैक्षिक मानक स्तर का होना चाहिए: प्रो. कुहाड़'

महेंद्रगढ़, 7 जुलाई (मोहन, परमजीत): नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन और उसको कार्यरूप में लागू करके उच्च शिक्षा में और सुधार कैसे किए जा सकते हैं ताकि भारतीय उच्च शिक्षण संस्थाएं वैश्विक शैक्षिक स्तर तक पहुंच सकें और विद्यार्थी में वह गुण विकसित हों ताकि वह रोजगार के लिए किसी पर निर्भर न हो। ऐसे ही विचारों को लेकर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ गहन विचार-विमर्श हुआ।

कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अपने सम्बोधन में कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए विषय वस्तु में मुख्य विषयों में आप क्या जोड़ रहे हैं? वह विद्यार्थी केंद्रित कैसे बनेगी? विद्यार्थियों को क्या विकल्प उपलब्ध होंगे? विद्यार्थी जो सीख रहा है उसका ही मूल्यांकन हो, यह भी शिक्षकों को ही तय करना है। जितनी आवश्यकता हमें विद्यार्थियों पर ध्यान देने की है, उससे कहीं अधिक आवश्यकता शिक्षकों को प्रेरित करने की है, क्योंकि शिक्षक ही नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आगे ले जाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं। कुलपति ने यह भी सुझाव दिया कि जब भी किसी आचार्य को किसी राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने का मौका मिलता है और वह वहां से कुछ सीख कर आता है, तो उसे विश्वविद्यालय के दूसरे आचार्यों व शोधार्थियों के साथ सांझा किया जाना चाहिए, ताकि उस सम्मेलन का लाभ विश्वविद्यालय के प्रत्येक आचार्य और शोधार्थी को मिल सके और अंतत: उसका लाभ विश्वविद्यालय को प्राप्त हो।

विश्वविद्यालय शिक्षकों के साथ आयोजित इस संवाद में सर्वप्रथम शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अपने आसपास के क्षेत्रों को कैसे लाभ पहुंचाया जा सकता है इसके लिए एक रूपरेखा तैयार की जानी चाहिए।

इसके अलावा उन्होंने कई अलग-अलग विषयों को लेकर कैसे अनुसंधान किए जाएं? उसके लिए एक नियमावली बनाने की बात कही। इसी क्रम में विधि पीठ के अधिष्ठाता प्रो. राजेश मलिक ने कहा कि ऐसे शिक्षकों की नियुक्ति होनी चाहिए जो वास्तव में शिक्षा के लिए समर्पित हों, क्योंकि एक शिक्षक कम से कम 35 वर्ष किसी भी शैक्षणिक संस्थान को देता है, इससे वहां का वातावरण बहुत प्रभावित होता है। विश्वविद्यालय की आचार्य प्रो. सारिका शर्मा ने तकनीकी के शिक्षण में उपयोग को बढ़ावा देने और उसे हर स्तर पर लागू करने की बात कही।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. जे.पी. भूकर ने कहा है कि यह संभव नहीं है कि सभी विश्वविद्यालय विश्व स्तरीय सुविधाएं बना सकें, हम अपनी सुविधाओं को दूसरों से सांझा करके उन्हें विश्वस्तरीय बना सकते हैं।

योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डा. अजय पाल ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शोधार्थियों द्वारा विश्व के उच्चकोटि के अनुसंधान पत्रों में प्रकाशित अनुसंधान पत्रों को महीने में कम से कम एक बार विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शोधार्थियों के साथ समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि दूसरे लोगों को उसकी गुणवत्ता, लेखन की विधि और प्रकाशन की प्रक्रिया का ज्ञान हो सके।

नई शिक्षा नीति को लेकर विचार-विमर्श

महेंद्रगढ़। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन और उसको कार्यरूप में परणित करके उच्च शिक्षा में और सुधार कैसे किए जा सकते हैं, ताकि भारतीय उच्च शिक्षण संस्थाएं वैश्विक शैक्षिक स्तर तक पहुंच सकें। वहीं विद्यार्थी में वह गुण विकसित हों, ताकि वह रोजगार के लिए किसी पर निर्भर न हों। ऐसे ही विचारों को लेकर हरियाणा केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के नेतृत्व में विवि के शिक्षकों के साथ विचार विमर्श हुआ। कुलपति ने संबोधन में कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा के लिए विषय वस्तु में मुख्य विषयों में आप क्या जोड़ रहे हैं।

'हकेंवि में भारत-नेपाल संबंधों पर कोविड-19 संकट का प्रभाव पर व्याख्यान आयोजित'

विशेषज्ञ के रूप में नेपाल के सांसद डा. अमरेश कुमार सिंह हुए शामिल

महेंद्रगढ़, 5 जुलाई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में भारत-नेपाल संबंधों पर कोविड-19 संकट का प्रभाव विषय पर वैबीनार के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत चौथा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग और भूगोल विभाग के सांझा प्रयासों से आयोजित हुआ।

इस व्याख्यान की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की। कार्यक्रम में नेपाल संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य के संसद सदस्य डा. अमरेश सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। मौलिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता डा. विनोद कुमार ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और अतिथियों का स्वागत किया।

इसी क्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के सह-आचार्य डा. रमेश कुमार ने कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का परिचय प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अपने सम्बोधन में मुख्य वक्ता का स्वागत किया और आजादी के अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय द्वारा करवाए जा रहे आयोजनों से मुख्य वक्ता को अवगत कराया।

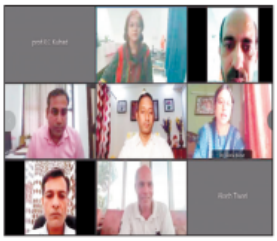

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को सम्बोधित करते विशेषज्ञ।

कुलपति ने कहा कि कोरोना महामारी ने प्रत्येक व्यक्ति को प्रभावित किया है। बेशक कोरोना काल के दौरान हमारे समक्ष बहुत चुनौतियां आई हैं लेकिन चुनौतियों के साथ-साथ हमें अवसर भी मिले हैं। ये हमारी कार्यशैली और सोच पर निर्भर करता है कि हम इन अवसरों का सकारात्मक तरीके से कैसे उपयोग करें। कुलपति ने कोरोना के संकट से निपटने के लिए प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने डाक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों के कार्य की सराहना की और कोरोना से जान गंवाने वाले लोगों के प्रति श्रद्धांजलि दी।

प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने भारत और नेपाल के रिश्तों की गहराई जिक्र करते हुए बताया किस तरह से दोनों देशों के रिश्ते पुरातन काल से जुड़े हुए हैं। विशेषज्ञ व्याख्यान के मुख्य वक्ता डा. अमरेश कुमार सिंह ने भारत-नेपाल रिश्तों के ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में भारत और नेपाल के मध्य हिंदू धर्म दोनों देशों में सामान्य धर्म है। चीन हमारा मित्र है परंतु भारत हमारा सबसे अच्छा मित्र है। डा. सिंह ने बताया कि भारत और नेपाल किस तरह से राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृति व भावानात्मक एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

कोरोना काल के दौरान भारत-नेपाल संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। हालांकि उन्होंने चिंता जाहिर की कि कोरोना के कारण अनौपचारिक व्यापार पर प्रभाव पड़ा है। इससे पूर्व अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला के संयोजक डा. शांतेश कुमार सिंह ने मुख्य वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के निदेशक प्रो. राजवीर दलाल ने कार्यक्रम का परिचय देते हुए बताया कि अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला का यह चौथा व्याख्यान है। उन्होंने बताया कि भारत और नेपाल के संबंधों की जड़ें बहुत गहरी हैं। कार्यक्रम के संयोजक डा. मनीष कुमार ने आयोजन समिति के सदस्यों डा. चंचल कुमार शर्मा, डा. रमेश कुमार, डा. खेराज, डा. जितेंद्र कुमार, डा. ग्लोरिया कुजूर व सुश्री श्वेता सोहल का सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

'कोरोना काल में हमें चुनौतियों के साथ अवसर भी मिले'

भारत-नेपाल संबंधों पर कोविड-19 संकट का प्रभाव पर व्याख्यान आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ में भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में भारत-नेपाल संबंधों पर कोविड-19 संकट का प्रभाव विषय पर वेबिनार के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत चौथा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग और भूगोल विभाग के सांझा प्रयासों से आयोजित हुआ।

व्याख्यान की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की। कार्यक्रम में नेपाल संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य के संसद सदस्य डॉ. अमरेश सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.

विशेषज्ञ के रूप में नेपाल के सांसद डॉ. अमरेश कुमार सिंह हुए शामिल

आरसी कुहाड़ ने अपने संबोधन में मुख्य वक्ता का स्वागत किया और आजादी के अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय द्वारा करवाए जा रहे आयोजनों से मुख्य वक्ता को अवगत कराया।

कुलपति ने कहा कि कोरोना महामारी ने प्रत्येक व्यक्ति को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि बेशक कोरोना काल के दौरान हमारे समक्ष बहुत चुनौतियां आई हैं लेकिन चुनौतियों के साथ-साथ हमें अवसर भी मिले हैं। ये हमारी कार्यशैली और सोच पर निर्भर करता है कि हम इन अवसरों का सकारात्मक तरीके से कैसे उपयोग करें।

विशेषज्ञ व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. अमरेश कुमार सिंह ने भारत नेपाल के बीच ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में भारत और नेपाल के मध्य हिंदू धर्म दोनों देशों में सामान्य धर्म है। उन्होंने कहा कि चीन हमारा मित्र है परंतु भारत हमारा सबसे अच्छा मित्र है।

डॉ. सिंह ने बताया कि भारत और नेपाल किस तरह से राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व भावनात्मक तरीके से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। कार्यक्रम के निदेशक प्रो. राजवीर दलाल ने कार्यक्रम का परिचय देते हुए बताया कि व्याख्यान श्रृंखला का यह चौथा व्याख्यान है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मनीष कुमार ने आयोजन समिति के सदस्यों डॉ. चंचल कुमार शर्मा, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. खेराज, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. ग्लोरिया कुजूर, श्वेता सोहल का आभार व्यक्त किया।

कोरोना महामारी के विरूद्ध रोकथाम उपायों के प्रति जागरूकता महत्त्वपूर्ण

नारनौल, राजेश राज गोयल।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ द्वारा कोरोना महामारी की तीसरी लहर से बचाव को केंद्र में रखते हुए निरंतर जागरूकता की दिशा में प्रयास जारी है। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत राजनीति विज्ञान व भूगोल विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत कोविड-19, मैनेजमेंट एंड बेस्ट प्रेक्टिस पर केंद्रित ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को जागरूकता की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रयासों में से एक बताया और कहा कि समूचा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है। ऐसे में शिक्षण संस्थान होने के नाते हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम इस महामारी से बचाव को लेकर विशेष जागरूकता हेतु प्रयास करें। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर इस दिशा में विभिन्न आयोजन कर रहा है और अवश्य ही इस कार्यक्रम के माध्यम से भी प्रतिभागियों को उपयोगी जानकारी प्राप्त होगी।

विश्वविद्यालय के इस ऑनलाइन व्याख्यान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की प्रगति को प्रदर्शित करने वाली डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। इसके पश्चात मौलिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता डॉ. विनोद कुमार ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और अतिथियों का स्वागत किया। इसी क्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजवीर दलाल ने विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कोरोना महामारी से बचाव के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण है सही जानकारी और संक्रमण से बचाव के लिए

आवश्यक एहतियात। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में शामिल चीफ हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के डॉ. सिद्धार्थ गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कोरोना महामारी के प्रकोप से बचाव के लिए आवश्यक विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से संक्रमण से बचा जा सकता है। फिर वह चाहे स्वच्छता की बात हो या फिर सामुदायिक स्तर पर आवश्यक विशेष प्रयासों की। डॉ. गुप्ता ने अपने सम्बोधन में इस महामारी से बचाव के लिए जरूरी सामान्य लेकिन महत्त्वपूर्ण उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ताजे फल व सब्जियों के सेवन के साथ-साथ इम्युनिटी बढ़ाने में मददगार विटामिन, मिनरल व प्रोटीन आदि से भरपूर खाद्य पदार्थों के उपयोग पर उन्होंने जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि बचाव के लिए अपनी बारी आने पर वैक्सीनेशन अवश्य कराएं। आयोजन में शामिल दूसरे विशेषज्ञ वक्ता डॉ. शैलेंद्र तोमर ने इम्युनिटी को मजबूत करने, कोरोना से बचाव के लिए आवश्यक शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनने हेतु आवश्यक उपायों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने शरीर में विटामिन, प्रोटीन की उपलब्धता के महत्त्व को भी प्रतिभागियों के समक्ष स्पष्ट किया। कार्यक्रम में सवाल-जवाब सत्र के माध्यम से भी प्रतिभागियों की विभिन्न शंकाओं व जिज्ञासाओं का निदान भी विशेषज्ञों ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के निदेशक प्रो. राजवीर दलाल व डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला का यह तीसरा आयोजन है। जिसमें इसके संयोजक डॉ. शांतिष कुमार सिंह व डॉ. मनीष कुमार रहे। आयोजन समिति में डॉ. चंचल कुमार शर्मा, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. खेराज, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. ग्लोरिया कुजूर व सुश्री श्वेता सोहल शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. मनीष कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कोरोना की रोकथाम व उपायों के प्रति जागरूकता व्याख्यान

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) की ओर से कोरोना की तीसरी संभावित लहर को देखते हुए निरंतर जागरूकता की दिशा में प्रयास जारी है। इसके अंतर्गत राजनीति विज्ञान और भूगोल विभाग ने अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत कोविड-19, मैनेजमेंट एंड बेस्ट प्रेक्टिस पर केंद्रित ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को जागरूकता की दिशा में विश्वविद्यालय की ओर से जारी प्रयासों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि समूचा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है। ऐसे में शिक्षण संस्थान होने के नाते हमारा यह कर्त्तव्य बनता है कि हम कोरोना से बचाव के लिए प्रयास करें। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर इस दिशा में विभिन्न आयोजन कर रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से भी प्रतिभागियों को उपयोगी जानकारी प्राप्त होगी। व्याख्यान की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की प्रगति को प्रदर्शित करने वाली डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई।

इसके पश्चात मौलिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता डॉ. विनोद कुमार ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और अतिथियों का स्वागत किया। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में शामिल चीफ हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। (फाइल फोटो)

हकेंविवि में राजनीति विज्ञान और भूगोल विभाग ने किया आयोजन

दिल्ली विश्वविद्यालय नई दिल्ली के डॉ. सिद्धार्थ गुप्ता ने अपने संबोधन में कोरोना के प्रकोप से बचाव के लिए आवश्यक विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह से संक्रमण से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि बचाव के लिए अपनी बारी आने पर वैक्सीनेशन अवश्य कराएं। विशेषज्ञ वक्ता डॉ. शैलेंद्र तोमर ने इम्यूनिटी को मजबूत करने और कोरोना से बचाव के लिए आवश्यक उपायों को अपनाने पर बल दिया कार्यक्रम के निदेशक प्रो. राजवीर दलाल और डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला का यह तीसरा आयोजन है। इसमें इसके संयोजक डॉ. शांतेष कुमार सिंह, डॉ. मनीष कुमार रहे। आयोजन समिति में डॉ. चंचल कुमार शर्मा, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. खेराज, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. ग्लोरिया कुजूर, श्वेता सोहल शामिल रहे।

चिंतन मानवता की भलाई के लिए नितांत आवश्यक : प्रो. आर.सी. कुहाड़

चंडीगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग ने विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय योग वेबीनार का आयोजन किया। जिसका विषय "पर्वत की गुफाओं से व्यवसायिक दुनिया तक योग का विकास"' था। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रमेश चंद्र कुहाड़ ने कहा कि आज से लगभग 12 दिन पहले सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हम सब ने मनाया। उस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है, जब हम योग के अभ्यास को अपने जीवन का अंग बना लें। हमारी जीवन शैली का भाग योग से जुड़ा हो और हमारी दिनचर्या योगिक दिनचर्या हो, तभी हमारा स्वास्थ्य, चिंतन, व्यवहार और व्यक्तित्व में वह लक्षण दिखाई देंगे, जो सभ्यता की, विद्वता की निशानी हैं। आज का विषय ही कुछ ऐसा है कि हमें योग के उस पक्ष को

भी देखना है, जब वह कुछ लोगों द्वारा पर्वत की गुफाओं में, जंगलों में और आश्रमों में योग किया जाता था। आज योग की जरूरत पूरे विश्व को पहले से कहीं अधिक है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र संघ में रखे गए प्रस्ताव को कितनी सहजता के साथ पूरे विश्व में न केवल स्वीकार किया है बल्कि उसके अभ्यास के लिए भी लगातार प्रयासरत हैं। आज के इस वेबीनार के मुख्य वक्ता मंगलोर विश्वविद्यालय के प्रो. के. कृष्ण शर्मा और विश्व विरासत संघ, दक्षिण कोरिया में शैक्षणिक निदेशक, प्रो. राजेश राज का

दिनचर्या का हिस्सा बनाएं योग

योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें विश्वविद्यालय के आमंत्रण को स्वीकार करने के लिए धन्यवाद भी दिया। आजादी के अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने इस कार्यक्रम की सार्थकता पर प्रकाश डाला। प्रो. कुहाड़ कहा कि जिस कार्य को विश्व के लोग अपने जीवन का अंग बनाने लगें, उसको अपनी जीवन चर्या में सम्मिलित कर लें। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया योग विभाग आगामी दिनों में ऐसे ही कुछ और कार्यक्रम करने के बारे में विचार कर रहा है। इस वेबिनार का प्रारम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुआ। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की प्रगति को प्रदर्शित करने वाली डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य और शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने किया, अतिथियों का परिचय विभाग के ही सहायक आचार्य डॉ. रवि कुमार शास्त्री ने किया। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा विभाग के आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने किया। विभागाध्यक्षा डॉ.नीलम सांगवान के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ। इस वेबीनार में विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

- आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय योग वेबीनार का आयोजन

चिंतन मानवता की भलाई के लिए अति आवश्यक : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। हकेवि में आयोजित वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग ने विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई के सहयोग से आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय योग वेबीनार का आयोजन किया। जिसका विषय पर्वत की गुफाओं से व्यवसायिक दुनिया तक योग का विकास था।

जिसमें विवि के कुलपति प्रो. रमेश चंद्र कुहाड़ ने कहा कि आज से लगभग 12 दिन पहले सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हम सब ने मनाया। उस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम योग के अभ्यास को अपने जीवन का अंग बना लें। हमारी जीवन शैली का भाग योग से जुड़ा हो और हमारी दिनचर्या योगिक दिनचर्या हो तभी हमारा स्वास्थ्य, चिंतन, व्यवहार और व्यक्तित्व में वह लक्षण दिखाई देंगे जो सभ्यता की विद्वता की निशानी हैं। आज का विषय ही कुछ ऐसा है कि हमें योग के उस पक्ष को भी देखना है जब वह कुछ लोगों द्वारा पर्वत की गुफाओं में, जंगलों में और आश्रमों में योग किया जाता था। आज योग की जरूरत पूरे विश्व को पहले से कहीं अधिक है। वेबीनार के मुख्य वक्ता मंगलोर विश्वविद्यालय के प्रो. के कृष्ण शर्मा और विश्व विरासत संघ दक्षिण कोरिया में शैक्षणिक निदेशक प्रो. राजेश राज का व्याख्यान हुआ। योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें विवि के आमंत्रण को स्वीकार करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

कोरोना जागरूकता के लिए हकेवि को मिला प्रतिबद्धता प्रमाण पत्र

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड्स, लंदन ने किया सम्मानित

नारनौल, राजेश राज गोयल,

कोरोना महामारी के दौरान जागरूकता व बचाव के स्तर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों को देखते हुए प्रतिष्ठित संस्था वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड्स, लंदन ने विश्वविद्यालय को प्रतिबद्धता प्रमाण पत्र प्रदान किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इस प्रमाण पत्र को कोरोना महामारी के दौर में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों द्वारा जनजागरूकता के स्तर पर किए गए प्रयासों का परिणाम बताया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय निरन्तर इस दिशा में कार्य करता रहा है और भविष्य में भी यह प्रयास जारी रहेंगे। विश्वविद्यालय को कोरोना महामारी के बीच समाज में पीड़ितों

की मदद व कोरोना से बचाव के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयासों हेतु प्रतिबद्धता को देखते हुए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड्स के यूरोप प्रमुख क्रिस्टेम जेज़लर द्वारा यह प्रमाण पत्र जारी किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि कोरोना महामारी के पहले चरण में विश्वविद्यालय ने स्थानीय ग्रामीणों को विश्वविद्यालय में तैयार सेनेटाइजर व मास्क आदि वितरित किए थे। साथ ही उन्हें कोरोना से बचाव के उपायों से भी विभिन्न जागरूकता अभियानों के माध्यम से अवगत कराया था। कुलपति ने कहा कि उस समय से ही विश्वविद्यालय विशेषकर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व यूथ रेडक्रॉस के स्वयंसेवक विभिन्न स्तर पर इस महामारी के विरूद्ध जारी अभियान में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ योगदान दे रहे हैं। कुलपति ने कहा कि इन प्रयासों में विभिन्न माध्यमों से जागरूकता के साथ-साथ विशेषज्ञ व्याख्यान आदि का आयोजन भी विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा किया गया। प्रो. आर.सी. कुहाड़ बताया कि विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने कोरोना से जंग मनोविज्ञान के संग नाम से एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया। जिसमें कोरोना महामारी से प्रभावित लोगों की मानसिक समस्याओं का समाधान लगातार किया जा रहा है। योग विभाग ने कोरोना महामारी पर योग के कार्यक्रमों और अभ्यास को लेकर लोगों को सजग किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए संतोष व्यक्त किया और भविष्य में इससे भी अच्छे कार्य करने के लिए सभी से आवाहन भी किया। कुलपति ने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड्स की ओर से मिले प्रमाणपत्र के संदर्भ में कहा कि यह विश्वविद्यालय द्वारा इस दिशा में जारी प्रयासों में उत्साह का संचार करेगा।

रेलगाड़ियों की बहाली

हकेंवि को कोरोना जागरुकता के लिए मिला प्रतिबद्धता प्रमाण पत्र

महेंद्रगढ़ | कोरोना महामारी के दौरान जागरूकता व बचाव के स्तर पर हकेंवि द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों को देखते हुए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकाड्र्स, लंदन ने विवि को प्रतिबद्धता प्रमाण पत्र प्रदान किया है। विवि के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने प्रमाण पत्र को कोरोना महामारी के दौर में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों द्वारा जनजागरूकता के स्तर पर किए गए प्रयासों का परिणाम बताया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय निरन्तर इस दिशा में कार्य करता रहा है और भविष्य में भी यह प्रयास जारी रहेंगे। विश्वविद्यालय को कोरोना महामारी के बीच समाज में पीड़ितों की मदद व कोरोना से बचाव के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयासों हेतु प्रतिबद्धता को देखते हुए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकाड्र्स के यूरोप प्रमुख विल्हेम जेजलर द्वारा यह प्रमाण पत्र जारी किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि कोरोना महामारी के पहले चरण में विश्वविद्यालय ने स्थानीय ग्रामीणों को विश्वविद्यालय में तैयार सेनेटाइजर व मास्क आदि वितरित किए थे। कुलपति ने कहा कि उस समय से ही विश्वविद्यालय विशेषकर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व यूथ रेडक्रॉस के स्वयंसेवक विभिन्न स्तर पर इस महामारी के विरूद्ध जारी अभियान में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ योगदान दे रहे हैं। कुलपति ने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकाड्र्स की ओर से मिले प्रमाणपत्र के संदर्भ में कहा कि यह विश्वविद्यालय द्वारा इस दिशा में जारी प्रयासों में उत्साह का संचार करेगा।

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन ने किया सम्मानित

हकेंवि के वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन करते हुए प्रो. आर.सी. कुहाड़ व अन्य।

'विश्वविद्यालय की प्रगति का दर्पण है वार्षिक प्रतिवेदन: प्रो. आर.सी. कुहाड़'

महेंद्रगढ़, 1 जुलाई (स.ह., परमजीत): किसी भी विश्वविद्यालय, उसके शिक्षकों, विद्यार्थियों व शैक्षणिक मोर्चे पर संस्था की प्रगति को जानने-समझने में वार्षिक प्रतिवेदन एक महत्वपूर्ण लिखित प्रमाण है। यह वह माध्यम है जिसके आधार पर हम विश्वविद्यालय व अपनी वर्तमान स्थिति का आकलन कर भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। सीधे शब्दों में कहें तो वार्षिक प्रतिवेदन विश्वविद्यालय की प्रगति का दर्पण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन करते हुए व्यक्त किए।

कुलपति ने इस अवसर वार्षिक प्रतिवेदन के संदर्भ में कहा कि यह न केवल विश्वविद्यालय बल्कि प्रत्येक शिक्षक व विश्वविद्यालय के विकास में सहभागी विद्यार्थी, कर्मचारी के लिए ऐसा लिखित प्रमाण है जो कि उसे वर्तमान उपलब्धियों से अवगत कराने के साथ-साथ भविष्य में बेहतरी के लिए योजनागत प्रयास हेतु प्रेरित करता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों व विभाग प्रभारियों की उपस्थिति में कुलपति ने विश्वविद्यालय के गेट नं. 1 से गेट नं. 2 के लिए जाने वाले मुख्य मार्ग को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम से पहचाने जाने की घोषणा की। इसी क्रम में कुलपति ने विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय को पंडित दीनदयाल उपाध्याय का नाम दिए जाने की भी बात कही। कुलपति ने इन दोनों ही महापुरुषों के योगदान को याद करते हुए कहा कि अवश्य ही यह प्रयास विद्यार्थियों को इन महापुरुषों द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम के अंत में वार्षिक प्रतिवेदन समिति की संयोजक प्रो. नीलम सांगवान ने इस वार्षिक प्रतिवेदन के निर्माण में सहयोग हेतु सभी अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, प्रभारियों, शिक्षकों सहित कुलसचिव व अन्य प्रशासनिक सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

प्रो. सांगवान ने इस मौके पर समिति के सदस्यों डा. अजय कुमार बंसल, डा. विनोद कुमार, डा. सिद्धार्थ शंकर राय, डा. पूजा यादव, डा. ए.पी. शर्मा, डा. युद्धवीर, तरुण कुमार व शैलेंद्र सिंह का भी सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया। इस अवसर ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

वार्षिक प्रतिवेदन का किया विमोचन

विवि की प्रगति का दर्पण है वार्षिक प्रतिवेदनः कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

किसी भी विश्वविद्यालय उसके शिक्षकों, विद्यार्थियों व शैक्षणिक मोर्चे पर संस्था की प्रगति को जानने समझने में वार्षिक प्रतिवेदन एक महत्त्वपूर्ण लिखित प्रमाण है। यह वह माध्यम है जिसके आधार पर हम विश्वविद्यालय व अपनी वर्तमान स्थिति का आंकलन कर भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हे प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। सीधे शब्दों में कहें तो वार्षिक प्रतिवेदन विश्वविद्यालय की प्रगति का दर्पण हैं।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय के द्वार संख्या एक से द्वार संख्या दो तक के मुख्य मार्ग को सरदार पटेल के नाम से पहचाने जाने और केंद्रीय पुस्तकालय को पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय का नाम दिए जाने का प्रस्ताव भी रखा। कुलपति ने वार्षिक प्रतिवेदन के संदर्भ में कहा कि यह न केवल विश्वविद्यालय बल्कि प्रत्येक शिक्षक व विश्वविद्यालय के विकास में सहभागी विद्यार्थी, कर्मचारी के लिए ऐसा लिखित प्रमाण है जो कि उसे वर्तमान उपलब्धियों से अवगत कराने के साथ-साथ भविष्य में बेहतरी के लिए योजनागत प्रयास हेतु प्रेरित करता है।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

महापुरुषों के दिखाए रास्ते पर चलें

कुलपति ने कहा कि हम सभी को इस इस लिखित प्रमाण का अध्ययन करते हुए अपनी व विश्वविद्यालय की बेहतरी हेतु योजना बनाकर उसे धरातल पर उतारने हेतु प्रयास करने चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों व विभाग प्रभारियों की उपस्थिति में कुलपति ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर एक से गेट नंबर दो के लिए जाने वाले मुख्य मार्ग को लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम से पहचाने जाने की घोषणा की। इसी क्रम में कुलपति ने विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय को पंडित दीनदयाल उपाध्याय का नाम दिए जाने की भी बात कही। कुलपति ने इन दोनों ही महापुरुषों के योगदान को याद करते हुए कहा कि अवश्य ही यह प्रयास विद्यार्थियों को इन महापुरुषों द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करेगा।

विवि की प्रगति का दर्पण है वार्षिक प्रतिवेदनः प्रो. कुहाड़

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन किया गया। हकेंवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय, उसके शिक्षकों, विद्यार्थियों, शैक्षणिक मोर्चे पर संस्था की प्रगति को जानने-समझने में वार्षिक प्रतिवेदन एक महत्वपूर्ण लिखित प्रमाण है। यह वह माध्यम है जिसके आधार पर हम विश्वविद्यालय व अपनी वर्तमान स्थिति का आकलन कर भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। सीधे शब्दों में कहें तो वार्षिक प्रतिवेदन विश्वविद्यालय की प्रगति का दर्पण है।

कुलपति ने वार्षिक प्रतिवेदन के संदर्भ में कहा कि यह न केवल विश्वविद्यालय बल्कि प्रत्येक शिक्षक और विश्वविद्यालय के विकास में सहभागी विद्यार्थी, कर्मचारी के लिए ऐसा लिखित प्रमाण है जो कि उसे वर्तमान उपलब्धियों से अवगत कराने के साथ-साथ भविष्य में बेहतरी के लिए योजनागत प्रयास के लिए प्रेरित करता है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ व अन्य। *संवाद*

विवि के मुख्य मार्ग को सरदार पटेल और केंद्रीय पुस्तकालय को पंडित दीनदयाल उपाध्याय का नाम देने की घोषणा की

कार्यक्रम के अंत में वार्षिक प्रतिवेदन समिति की संयोजक प्रो. नीलम सांगवान ने इस वार्षिक प्रतिवेदन के निर्माण में सहयोग हेतु सभी अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, प्रभारियों, शिक्षकों सहित कुलसचिव, अन्य प्रशासनिक सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। प्रो. सांगवान ने समिति के सदस्यों डॉ. अजय कुमार बंसल, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. पूजा यादव, डॉ. एपी. शर्मा, डॉ. युद्धवीर, तरूण कुमार, शैलेंद्र सिंह का भी आभार व्यक्त किया।

गेट नंबर 1 से गेट नंबर 2 तक मार्ग जाना जाएगा सरदार पटेल मार्ग

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, विभाग प्रभारियों की उपस्थिति में कुलपति ने विश्वविद्यालय के गेट नं. एक से गेट नं दो के लिए जाने वाले मुख्य मार्ग को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम से पहचाने जाने की घोषणा की। इसी क्रम में कुलपति ने विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय को पंडित दीनदयाल उपाध्याय का नाम दिए जाने की भी बात कही। कुलपति ने इन दोनों ही महापुरुषों के योगदान को याद करते हुए कहा कि अवश्य ही यह प्रयास विद्यार्थियों को इन महापुरुषों द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करेगा।

हकेवि में कोविड-19, एक जैविक खतरा विषय पर व्याख्यान आयोजित किया

महेंद्रगढ़,(जगमार्ग न्यूज)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में कोविड-19, एक जैविक खतरा विषय पर वेबीनार के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत द्वितीय विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग और भूगोल विभाग के साझा प्रयासों से आयोजित हुआ। इस व्याख्यान की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद और सुरक्षा से संबंधित संघ (आईएसीएसपी) में क्षेत्रीय निदेशक व फिनलैंड के हेलसिंकी में स्थित नॉर्डिक काउंटर टेररिज्म संस्थान के निदेशक एड्रिन राज विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी है जो लगातार अपना रूप बदल रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही के दिनों में भारत के कुछ राज्यों में पाया गया इसका डेल्टा प्लस स्वरूप नवीनतम और सबसे घातक रूप है। सूक्ष्म जीव के वैज्ञानिक और शोधार्थी होने के नाते उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस जैसी जैविक महामारी सम्पूर्ण विश्व के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने भारत के टीकाकरण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने टीकाकरण के माध्यम से बताया कि किस तरह कोरोना पर काबू पाया जा सकता है। उन्होंने इस तरह के खतरों से निपटने में शिक्षण संस्थानों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए इस दिशा में प्रशिक्षण व जागरूकता हेतु विशेष प्रयास करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता एड्रिन राज ने बताया कि आज के समय में विश्व आण्विक खतरों के साथ-साथ जैविक खतरों से भी जूझ रहा है।

प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने संभाला हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति के रूप में प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने गुरुवार को अपना पदभार ग्रहण किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कुलपति का दायित्व निवर्तमान कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ से विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. जे.पी. भूकर व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रहण किया। 22 जुलाई, 2021 को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने प्रो. टंकेश्वर कुमार के कुलपति के रूप में नियुक्ति का पत्र जारी किया था। नियुक्ति पत्र के अनुसार प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार को पदभार ग्रहण करने की तारीख से पांच साल के लिए नियुक्त किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में उप कुलपति के पद पर वर्ष 2015 से सेवारत थे।